भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3187 का उत्तर

चक्रधरपुर मंडल के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्य

3187. श्रीमती जोबा माझी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **क्या भारतीय रेलवे में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाले मंडलों में से एक होने के बावजूद, दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल द्वारा क्षेत्र के आदिवासी और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए रेलवे द्वारा कोई स्पष्ट कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्य नहीं किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ख) **क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि चक्रधरपुर स्थित लोको रिपेयर शेड को यहाँ से स्थानांतरित कर दिया गया था, जिससे स्थानीय रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;**

(ग) **क्या सरकार यहाँ उपलब्ध अधिशेष भूमि और पर्याप्त मानव संसाधनों को देखते हुए और स्थानीय लोगों तथा व्यवसायों को रोजगार प्रदान करने के लिए चक्रधरपुर/सिंहभूम में कोच फैक्ट्री या अन्य उत्पादन इकाई स्थापित करने की योजना बना रही है; और**

(घ) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?**

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले रेल नेटवर्क की संपर्कता में सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित कार्य पूरे/शुरू कर दिए गए हैं।

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएँ

चक्रधरपुर मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)
1	राजखरसावां-सिनी तीसरी लाइन	15
2	सिनी-आदित्यपुर तीसरी लाइन	23
3	डोंगापोसी- राजखरसावां तीसरी लाइन	75
4	राजखरसावां -चक्रधरपुर तीसरी लाइन	20
5	चक्रधरपुर-गोइलकेरा तीसरी लाइन	34
6	गोइलकेरा-मनोहरपुर तीसरी लाइन	28
7	मनोहरपुर-बोंडामुंडा तीसरी लाइन	30
8	चम्पाझरण-बिमलगढ़ दोहरीकरण	21
9	बांसपानी-दैतारी-तोमका-जाखापुरा दोहरीकरण	164
10	झारसुगुड़ा-सरडेगा दोहरीकरण	50
11	बोंडामुंडा-राउरकेला चौथी लाइन	9
12	राउरकेला-झारसुगुड़ा तीसरी लाइन	101

चालू परियोजनाएं

चक्रधरपुर मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ चालू परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)
1	गम्हरिया - चांडिल तीसरी और चौथी लाइन	26
2	बिमलगढ़ - बरसुआन दोहरीकरण	21
3	डांगोपोसी - जरोली तीसरी और चौथी लाइन	43
4	सिनी - कांद्रा तीसरी और चौथी लाइन	13
5	राउरकेला-बोंडामुंडा पांचवीं लाइन	10
6	बगदेही-झारसुगुड़ा चौथी लाइन	21
7	बाँगरीपोसी-गोरुमहिसाणी नई लाइन	86
8	बादामपहाड़-केंदुझारगढ़ नई लाइन	82
9	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन	132

चालू सर्वेक्षण कार्य/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

चक्रधरपुर मंडल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुछ सर्वेक्षणों/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	सर्वेक्षणों के नाम	स्थिति
1	बड़बिल - बोलानीखादान दोहरीकरण (3 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
2	बागडेही - चक्रधरपुर - टाटानगर - खड़गपुर चौथी लाइन (367 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
3	झारसुगुड़ा - बागडेही - खड़गपुर पांचवीं और छठी रेलवे लाइन (399 कि.मी.)	सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है
4	किरिबुरु - बड़बिल - बरसुआन का स्टील कॉरिडोर (199 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
5	नयागढ़ - बांसपानी नई लाइन (56 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है
6	राजखरसावां-डांगोपोसी चौथी लाइन (71 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है

ऊपरी/निचले सड़क पुल संबंधी कार्य:

समपारों (समपार) के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल (आरओबी)/निचले सड़क पुल(आरयूबी) के कार्यों को अनुमोदित करना भारतीय रेल की एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा पर प्रभाव, गाड़ियों की गतिशीलता, सड़क उपयोगकर्ताओं पर प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता दी जाती है और शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल में वर्ष 2004-14 की तुलना में 2014-26 (जनवरी 2026 तक) की अवधि के दौरान निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए आरओबी/आरयूबी
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी 2026 तक)	14,024 अदद (चक्रधरपुर मंडल में 174 अदद आरओबी/आरयूबी सहित)

01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 1,14,196 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 4,802 आरओबी/आरयूबी को स्वीकृति दी गई है जो योजना निर्माण और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में 1,281 करोड़ रुपए की लागत पर 42 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है।

ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों का पूरा होना और कमीशनिंग विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जैसे कि पहुँच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ, जलवायु संबंधी परिस्थितियों के कारण विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र में वर्ष में कार्यावधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

रेलवे ने ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

(i) सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है ताकि सुगम निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

(ii) रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि ऊपरी सड़क पुल/ निचले सड़क पुल कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान किया जा सके।

(iii) रेलवे के भाग पर सड़क की चौड़ाई, स्पैन और विषम तल के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना आरेखों का मानकीकरण किया गया है ताकि डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचा जा सके। इसे एक संकलन के रूप में जारी किया गया है, जिसे रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के लिए त्वरित योजना हेतु सीधे अपनाया जा सकता है।

स्टेशन पुनर्विकास

अभी तक, भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 18 स्टेशन चक्रधरपुर मंडल में हैं।

चक्रधरपुर मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं :-

मंडल	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
चक्रधरपुर	18	बादामपहाड़, बाराजामदा जं, बड़बिल, बिमलगढ़, चायबासा, चक्रधरपुर, डांगोपोसी, गमहरिया, जरोली, झारसुगुड़ा जं, मनोहरपुर, पांपोष, रैरंगपुर, राजगंगपुर, राजखरसवां, राउरकेला, सिनि, टाटानगर

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणों में कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
ii. रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
iii. रेलवे स्टेशन के भवन में सुधार
iv. प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
v. यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
vi. लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
vii. प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
viii. 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
ix. पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
x. दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
xi. बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
xii. प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, परिवेश सौंदर्यीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घावधि में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

चक्रधरपुर मंडल दो राज्यों अर्थात झारखंड और ओडिशा के अंतर्गत आता है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड में 57 स्टेशनों और ओडिशा में 59 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

झारखंड और ओडिशा में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बाराजामदा जंक्शन, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाइबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, डांगोआपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जपला, जसिडीह, कतरासगढ़, कोडरमा, कुमारधुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर, मनोहरपुर, मुहम्मदगंज, मुरी, एन.एस.सी.बी. गोमोह, नगरउंतारी, नामकोम, ओरगा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवई, विद्यासागर
ओडिशा	59	अंगुल, बादामपहाड़, बलांगीर, बालासोर, बालूगांव, बड़बिल, बरगढ़ रोड, बारिपदा, बरपाली, बेलपहाड़, बेतनोटी, भद्रक, भवानीपटना, भुवनेश्वर, बिमलागढ़, ब्रह्मपुर, ब्रजराजनगर, छत्रपुर, कटक, दमनजोड़ी, ढेंकानाल, गुनुपुर, हरिशंकर रोड, हिमगीर, हीराकुड, जाजपुर-क्योंझर रोड, जलेश्वर, जारोली, जेपोर, झारसुगुड़ा, झारसुगुड़ा रोड, कांटाबांजी, केंदुझारगढ़, केसिंगा, खारियार रोड, खोरदा रोड, कोरापुट, लिंगराज मंदिर रोड, मंचेश्वर, मेरामंडली, मुनिगुड़ा, न्यू भुवनेश्वर,

		पांपोष, पारादीप, परलाखेमुंडी, पुरी, रघुनाथपुर, रायराखोल, रायरंगपुर, राजगंगपुर, रायगड़ा, राउरकेला, सखी गोपाल, संबलपुर, संबलपुर सिटी, सोरो, तालचेर, तालचेर रोड, टिटलागढ़ जंक्शन।

पूरे किए गए स्टेशन

झारखंड और ओडिशा में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। इन राज्यों में पूरे किए गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
झारखंड	9	गोड्डा, गोविंदपुर रोड, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मुरी जंक्शन, पिस्का, राजमहल, साहिबगंज, संकरपुर
ओडिशा	6	बारीपदा, बरपाली, बिमलागढ़, कटक, परलाखेमुंडी, तालचेर

अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियाँ भी तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

झारखंड :

- चक्रधरपुर स्टेशन: नए दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म की सतह, पहुँच मार्ग, पीने का पानी, कंपाउंड वॉल और प्रवेश/निकास गेट के कार्य पूरे हो चुके हैं। शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- चाईबासा स्टेशन: प्लेटफार्म विस्तार और प्लेटफार्म की सतह के कार्य पूरे हो गए हैं। स्टेशन भवन, नया प्लेटफार्म, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग और प्रवेश/निकासी के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- डांगोपोसी स्टेशन: पहुँच मार्ग और पेयजल बूथ के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, प्लेटफार्म विस्तार और प्लेटफार्म की सतह, पहुँच मार्ग और प्रवेश/निकास द्वार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- मनोहरपुर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म विस्तार और प्लेटफार्म की सतह के कार्य, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुँच मार्ग और प्रवेश/निकास गेट के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- राजखरसावां स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म की सतह, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुँच मार्ग, प्रवेश/निकास सड़क और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

ओडिशा :

- भुवनेश्वर स्टेशन: पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य और एयर कॉनकोर्स का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन की पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर एलीवेटेड ड्राइववे का संरचनात्मक कार्य, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है। स्टेशन की पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, एमईपी (मेकैनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग), एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) और एस्केलेटर का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- पुरी स्टेशन: स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन की फिनिशिंग, प्लेटफार्म उन्नयन और चारदीवारी के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बादामपहाड़ स्टेशन: प्लेटफार्म विस्तार और प्लेटफार्म की सतह के कार्य पूरे हो चुके हैं। नए स्टेशन भवन, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पेयजल बूथ और प्रवेश/निकास द्वार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- जारोली स्टेशन: नई प्रतीक्षालय सह टिकट काउंटर, शौचालय, पहुँच मार्ग, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- पांपोश स्टेशन: नए स्टेशन भवन, पहुँच मार्ग, परिचलन क्षेत्र और प्रवेश/निकास द्वार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- राजगंगपुर स्टेशन: नए स्टेशन भवन और प्लेटफ़ॉर्म की सतह के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात की सम्हलाई आदि के आधार पर क्रियान्वित किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार।

झारखंड राज्य तीन क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, और दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,469 करोड़ रु. का आवंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जनवरी 2026 तक) 1,292 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया जा चुका है।

ओडिशा राज्य तीन क्षेत्रीय रेलों अर्थात् दक्षिण पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, और पूर्व तट रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,584 करोड़ रु. का आवंटन किया गया है, जिनमें से अभी तक (जनवरी, 2026 तक) 1,252 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

इसके अलावा, उद्यमियों की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियाँ, जिनमें केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) शामिल हैं, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 की संरचना और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के तहत शासित है। रेलवे एक मंत्रालय है न कि कोई कंपनी जो कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के मानदंडों के अंतर्गत आती हो।

****